राजाई पाने का आधार राजयोग

राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई

भगवान के बच्चे बनने के बाद, सम्पूर्ण ज्ञान ले लेने के बाद और जीवन का एक सम्पूर्ण लक्ष्य मिलने के बाद बहुत उमंग-उत्साह में रहने वाली आत्मायें ये संकल्प करती हैं कि हम विजयी रत्न बनें। जब इस मार्ग पर आ गये, जब हमने सर्वस्व भी त्याग कर दिया, विषय-विकारों से भी मुख मोड़ लिया, संसार की सुख-सुविधाओं से भी मुख मोड़ लिया तो क्यों न हाइएस्ट अचीवमेंट हो? सबकुछ प्राप्त कर लें भगवान से। सतयुग की, स्वर्ग की राजाई ले-लें। तो इसमें परीक्षाएं भी होंगी। क्योंकि जितना बड़ा पद उतनी बड़ी परीक्षा। सिम्पल नियम है- कम्पटीशन उतना ही बड़ा होगा। इंटरव्यूह भी होगा, बहुत कुछ चेक किया जायेगा। अब भगवान राजाई देगा तो परीक्षा तो अच्छी लेगा। मजबूत तो बनायेगा। कमज़ोर आत्माओं को तो राजाई नहीं मिलेगी और न दी जा सकती है। नहीं तो उनका राज्य छिन जायेगा।

तो शिव बाबा अपने बच्चों को राजाई लायक बनाने के लिए बहुत अच्छी-अच्छी चीज़ें सिखाते हैं इसलिए राजयोग की डेफिनेशन ये भी है राजयोग अर्थात् स्वर्ग की राजाई प्राप्त करने की ट्रेनिंग, उसकी एजुकेशन, तो हमें माया को सम्पूर्ण रूप से जीतना है। काम पर विजय होती जायेगी तो क्रोध भी शांत होता जायेगा। चित्त शांत और निर्मल होता चला जायेगा। क्रोध की अग्नि बुझती चलेगी। लेकिन इसपर भी काम अवश्य करना है। जैसे काम जीतने के लिए सब्कॉन्शियस माइंड के लेवल पर हमने कुछ सुझाव रखे।

क्रोध को जीतने के लिए भी कुछ ऐसी ही बातें हैं। सवेरे उठें, उठते ही शिव बाबा को गुड मॉर्निंग करें। और संकल्प करें कि मैं भगवान की संतान बहुत शक्तिशाली हूँ, विजयी रत्न हूँ, क्रोध मुक्त हूँ, शांत हूँ, शांत स्वरूप हूँ, बहुत गहरी फीलिंग दें अपने आपको। कई क्रोध को बहुत जीत लेते हैं लेकिन अचानक फिर निकल आता है। इमर्ज हो जाता है। हमें इस क्रोध को जड़ से नष्ट करना है। इसके लिए योग की अच्छी साधना भी हो, हम शांति के वायब्रेशन शांति के सागर से लेते रहें। और साथ में लक्ष्य बना लें कि मुझे क्रोध सम्पूर्ण रूप से छोड़ देना है। क्योंकि जब तक मनुष्य का अपने ऊपर ध्यान नहीं रहता तब तक भी उसे क्रोध आता है।

> **काम पर विजय होती जायेगी तो क्रोध भी शांत होता जायेगा। चित्त शांत और निर्मल होता चला जायेगा। क्रोध की अग्नि बुझती चलेगी। लेकिन इसपर भी काम अवश्य करना है।**

कईयों का क्रोध ऐसा होता है कि आया और शांत हो गया। लेकिन कईयों का क्रोध ऐसा होता है एक बार आ गया तो उसका इफेक्ट सारा दिन चलता है। व्यवहार बदला रहता है, बच्चों से डांट-डपट होती रहेगी, पत्नी से झगड़ा होता रहेगा। जिसे भी क्रोध आयेगा उसके साथ ये होता रहेगा।

पहले हम हमारी जो क्रोध की नेचर है उसपर विजयी बनें। धीरे-धीरे फिर क्या होगा, क्रोध आ भी गया तो जल्दी शांत होगा। क्रोध ना आये इसकी अवेयरनेस रहेगी कि मुझे क्रोध से मुक्त होना है। याद रहेगा शिव बाबा मेरा परमपिता शांति का सागर, सुख दाता यदि वो मुझे देखेगा कि ये तो क्रोध के सागर बने हुए हैं, इनके बोल तो बड़े खराब हैं, दुःखदायी बोल हैं, बाबा कहा करते थे कई बच्चों के क्रोध की आवाज़ वतन तक भी पहुंचती है। कई बच्चों के मुख से धुंआ निकलता है, निकलनी चाहिए दुआएं। तो देखो बाबा को भी तो प्रिय नहीं हैं ऐसी आत्मायें। मुझे प्यार के सागर का प्यार जीतना है, मुझे उसकी दुआओं का पात्र बनना है। वो जीवन में सदा मुझे मदद करे ऐसा मुझे अधिकार ले लेना है उससे। तो मुझे चित्त को शांत करना है। उसका आज्ञाकारी बच्चा बनना है। इस तरह चिंतन करेंगे और ये चिंतन हमें बहुत मदद करेगा। फिर अगर हो जाये थोड़ा बहुत तो फिर भी परेशान नहीं होना। जल्दी से जल्दी उसकी इफेक्ट को समाप्त करेंगे। बाबा से क्षमा याचना करेंगे। स्वीट हो जायेंगे फिर से।

साथ में उन कामनाओं को भी छोड़ना होगा जिनके पूरा ना होने पर क्रोध आता है। बच्चा ठीक से पढ़ता नहीं, आज भोजन अच्छा नहीं बना। आज कोई काम बिगड़ गया। किसी ने आज्ञा नहीं मानी, किसी ने दुर्व्यवहार कर दिया। क्रोध आयेगा लेकिन इनपर भी विजयी होना है। अपने चित्त को शांत रखना है। और आप एक चीज़ अनुभव करेंगे जैसे हमारी मनोस्थिति ऊंची होती जायेगी, हमारा चित्त शांत होता जायेगा, जैसे-जैसे हम स्वमान में स्थित होते जायेंगे तो फिर ये सब बातें हमारे सामने आयेंगी ही नहीं। बच्चों को थोड़ा कहेंगे वो आज्ञा मानेंगे, नौकरों से काम करा रहे हैं सहज भाव से अच्छा करेंगे। सब कुछ परफेक्टली, सक्सेसफुली होता रहेगा। - क्रमशः

दिल्ली-दिलशाद गार्डन। गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में लोकसभा सांसद,अभिनेता एवं गायक मनोज तिवारी के आगमन पर ईश्वरीय सौगात भेंट कर उन्हें सम्मानित करने के पश्चात् उपस्थित हैं ब्र.कु. तनुजा बहन तथा अन्य भाई-बहनें।

फर्रुखाबाद-बीबीगंज(उ.प्र.)। सांसद मुकेश राजपूत को राखी बांधते हुए ब्र.कु. गिरिजा बहन।

खटीमा-उत्तराखंड। ब्रह्माकुमारीज़ उपसेवाकेंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक युवा नेता भुवन कापड़ी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. शारदा बहन।

फैज़ाबाद-अयोध्या(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ वजीरगंज द्वारा अवध यूनिवर्सिटी के प्रबंधन विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित 'सक्सेस विद हैप्पीनेस' विषयक सेमिनार में मुख्य वक्ता ब्र.कु. डॉ. स्वामीनाथन, प्रबंधन विभाग के डीन प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. शशि बहन, ब्र.कु. अर्चना, ब्र.कु. रामजीत, ब्र.कु. महेंद्र, ब्र.कु. पवन, ब्र.कु. फूलचंद एवं विभाग के कर्मचारियों सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

हाथरस-आनंदपुरी कॉलोनी(उ.प्र.)। लक्खी मेला श्री दाऊजी महाराज में आयोजित सर्वश्री धर्मसम्मेलन में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत, पंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामण्डलेश्वर स्वामी यतीन्द्र नाथ, दिव्य अध्यात्म राष्ट्रसेवा के अध्यक्ष डॉ. अनिरूद्ध महाराज, ज्योतिषाचार्य कौशल किशोर तथा अन्य आध्यात्मिक हस्तियों सहित ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु. शान्ता बहन व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे। इस मौके पर उपस्थित सभी महानुभावों को ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से ईश्वरीय साहित्य एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

भादरा-राज.। नगरपालिका चेयरमैन बलवंत जी को राखी बांधने के पश्चात् ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रकांता दीदी। साथ हैं व्यापार मंडल अध्यक्ष चम्पालाल जी, एग्ज़ीक्यूटिव इंजीनियर दीवान सिंह एवं ब्र.कु. भगवती बहन।

दिल्ली-डेरावल नगर। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा डीसीपी ऑफिस किंग्सवे कैंप में दिल्ली पुलिस ऑफिसर्स एवं स्टाफ के लिए आयोजित 'स्ट्रेस मैनेजमेंट' प्रोग्राम के दौरान ब्र.कु. लता बहन एवं ब्र.कु. डॉ. उषा किरण बहन ने सभी का मार्गदर्शन किया।

हाथरस-आवास विकास कॉलोनी (उ.प्र.)। 113वां प्रांतीय मेला श्री दाऊजी महाराज के मेला पंडाल में मेलाध्यक्ष जिलाधिकारी राहुल पांडे द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ 'तपस्याधाम' को 'एक रात कन्हैया से बात' का आयोजक बनाया गया। इस दौरान रिबन काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी, ब्रह्माकुमारीज़ की जिला प्रभारी एवं कार्यक्रम निर्देशिका ब्र.कु. सीता बहन, ब्लॉक प्रमुख रामेश्वर उपाध्याय, कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. विकास शर्मा, जिला अध्यक्ष शरद माहेश्वरी, कार्यक्रम संयोजिका ब्र.कु. भावना बहन सह जिला प्रभारी, प्रमुख समाजसेवी व राजनेता डॉ. अविन शर्मा, उपाध्यक्ष सुनील गौतम, पूर्व सांसद प्रतिनिधि राजेश सिंह, माउण्ट आबू से ब्र.कु. सुरेश भाई, पूर्व चेयरमैन गिर्राज किशोर शर्मा, पूर्व चेयरमैन राजनेश कुशवाह, मई ग्राम प्रधान रनवीर सिंह, तसिंगा ग्राम प्रधान श्यामवीर सिंह, प्रमुख समाजसेवी गौरीशंकर गौतम, नूतन रानी एडीएचओ तथा अन्य।

नेपाल-नेपालगंज। ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग प्रशिक्षण केंद्र क्षेत्रीय कार्यालय में बाँके जिला के मीडिया प्रोफेशनल्स के लिए आयोजित 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण : मीडिया की भूमिका' विषयक स्नेह मिलन कार्यक्रम में संस्थान की केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. दुर्गा दीदी, नेपाल पत्रकार महासंघ,लुम्बिनी प्रदेश के उपाध्यक्ष शुक्रऋषि चौलागाई, नेपाल पत्रकार महासंघ,बाँके जिला के कार्यवाहक अध्यक्ष संगिन शर्मा, ने.प.म,लु.प्र. सचिव जयसिंह के.सी., ने.प.म,लु.प्र. सदस्य मोहम्मद आरिफ अन्सारी, सरला सुवेदी, वरिष्ठ पत्रकार नीरज गौतम, वरिष्ठ पत्रकार झलक गैरे, वरिष्ठ पत्रकार साहिवा साह, नेपाल प्रेस यूनियन,बाँके के प्रेसिडेंट प्रिया स्मृति ढकाल, नेशनल न्यूज़ एजेन्सी नेपालगंज के प्रभारी युवराज पाण्डे, महासंघ,बाँके जिला के कोषाध्यक्ष विनोद पौडेल, थारू पत्रकार संघ के अध्यक्ष भगतराम चौधरी, कोहलपुर नेपाल टेलिविज़न प्रसारण केंद्र के प्रभारी विजय कुमार वर्मा तथा एडिटर शरण कर्माचार्य सहित प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया के अन्य एडिटर, रिपोर्टर आदि शामिल रहे।

गोगुंदा-राज.। ज्ञान चर्चा करने के पश्चात् एसडीएम नरेश सोनी एवं तहसीलदार ओम सिंह लखावत को पैम्फलेट भेंट करते हुए ब्र.कु. रश्मि बहन।